तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 24.2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 11 मई 2025

11 हमारी सेना पाक को मुंह तोड़ जवाब दे रही...

12 एसडीएम ने सीवर लाइन दबाने और ओवरफ्लो...

बिजली गिरने से दो की मौत

मृतका सुषमा फाइल फोटो

सोनीपत में तेज बारिश के साथ बिजली गिरने की दो अलग-अलग घटनाओं में दो की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप झुलस गई। एक घटना मुरथल थाना क्षेत्र की है, जबकि दूसरी खरखौदा के गांव सिसाना की है। जब दो महिलाएं खेतों में काम कर रही थी, जबकि व्यक्ति ईंट-भट्ठे पर चौकीदार के रूप में कार्यरत था। वहीं झुलसी महिला की हालत गंभीर होने के चलते रोहतक पीजीआई रेफर किया है। पीजीआई में उपचार चल रहा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत के मुरथल थाना क्षेत्र के गांव गयासपुर की रहने वाली दो महिलाएं जोकि खेतों में मजदूरी का काम करती है।

गांव गांव ग्यासपुर निवासी सुषमा (38) व मीना सहित अन्य महिला मजदूरों के साथ गांव मलिकपुर के खेतों में भिंडी तोड़ने का कार्य कर रही थी। काम करते समय बिजली गिरी। जिसमें सुषमा व मीना दोनों चपेट में आ गई। महिलाओं को नागरिक अस्पताल में लाया गया।

जहां चिकित्सक ने सुषमा को मृत घोषित कर दिया। जबकि मीना को प्राथमिक उपचार के बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में महिला का उपचार चल रहा है। रविवार को महिला के शव का पोस्टमार्टम होगा।

कई महिलाएं खेत में काम कर रही थी

गांव मलिकपुर में खेत मालिक के अनिल के खेतों में गयासपुर समेत अन्य कई गांव की 9 महिलाएं खेत में मजदूरी करने के लिए गई हुई थी। दोपहर के वक्त खेत में भिंडी तोड़ने का काम कर रही थी। करीबन ने 1:45 पर बारिश आई हुई थी। इस दौरान बारिश के साथ तेज बिजली भी कड़क रही थी। साथ में मजदूरी का काम करने वाली महिलाओं का कहना है कि सामने से सुषमा और मीना के सिर और चेहरे बिजली गिरने से घायल हो गई थी।

खरखौदा: भट्ठे पर बिजली गिरने से चौकीदार की मौत

खरखौदा। सिसाना स्थित ईंट भट्ठे पर शनिवार को बिजली गिरने से उसकी चपेट में आए चौकीदार की मौत हो गई। 52 वर्षीय मृतक पप्पू उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के मानगढ़ कृपालू नगर का रहने वाला था। बीते कई महीनों से सिसाना के महाकाल ईंट भट्ठे पर चौकीदार का काम कर रहा था। साथी मजदूरों के साथ भट्ठे पर बनाई गई कच्ची ईंटों को वर्षा से बचने के लिए ढ़कने का काम कर रहा था। इसी दौरान बिजली की चपेट में आने से पप्पू बुरी तरीके से घायल हो गया। खरखौदा के सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कई घंटें बिजली बाधित

आंधी की वजह से ग्रामीण क्षेत्र में कई घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। आंधी के चलते खादर क्षेत्र में 12 खंभे टूट गए। मुरथल रोड के साथ खेत में पेड़ बिजली लाइन पर गिर गिया। जिसकी वजह से बिजली के दो खंभे गिरने से सोनीपत व ताजपुर गांव में देर शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं पाई थी। आंधी की वजह से कई स्थानों पर पेड़ गिरने और विद्युत लाइनों में फाल्ट आने से बिजली आपूर्ति ठप रही। आंधी के बाद बिजली निगम कर्मचारी लाइनों में फाल्ट को ढूंढते रहे। लाइन दुरुस्त करने में समय लगा। टीम रातभर मैदान में डटी रही और एक-एक कर फाल्ट को ठीक करती रही।

♦खरखौदा में बारिश के चलते फरमाणा मंडी में गेहूं भीग गया। तेज आंधी की वजह से ताजपुर के पास मुरथल रोड किनारे पेड़ गिर गया।

♦दोपहर एक बजे हल्की बारिश ने गर्मी में थोड़ी देर राहत दी। न्यूनतम व अधिकतम तापमान में वृद्धि हुई है। अधिकतम तापमान 36.0 व न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में 11 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलती रही।

मौसम 14 मई तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तर पूर्वी हवा चल सकती है। राज्य में एक और पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से बीच बीच में आंशिक बादल छाने, तेज हवा चलने की संभावना है।
-डॉ. प्रेमदीप, मौसम वैज्ञानिक, केवीके सोनीपत

गन्नौर में सड़कें हुई जलमग्न, मौसम हुआ सुहावना

गन्नौर । शनिवार को अचानक शुरू हुई वर्षा से मौसम सुहावना हो गया। हालांकि तेज हवाओं के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं गन्नौर शहर की सड़कों पर पानी जमा होने से पैदल चलने वाले लोगों को भी निकलना दुर्भर हो गया। रेलवे रोड जगह-जगह वर्षा के पानी से लबालब भर गया। यहां से गुजर रहे अधिकतर दो पहिया वाहन तो सड़क के बीच पानी में ही बंद हो गए। वहीं वर्षा के कारण गेहूं काट कर हटे किसानों के लिए बरसात वरदान से कम नहीं उन्हें जमीन की जुताई करने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। इसके अलावा जिन किसानों ज्वार की बुआई कर दी है उनके लिए भी वर्षा फायदे का सौदा रहेगी। वहीं वर्षा के कारण सब्जी बोने वाले किसानों को नुकसान जरूर हो सकता है।

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर
लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ
अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी
अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपत्ति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प
अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध
अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें
अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स
■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिजनेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें
लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें
ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार
बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्परेरी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा
ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत
फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि
पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक

अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 **bps** रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टपोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए

हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

■ डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।

■ बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।

■ लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।

■ सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

"इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)
पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस
अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम
अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)
अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट
घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती
यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट
यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा
यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश
डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश
इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश
इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें
- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं

1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे

1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

खबर संक्षेप

निबंध लेखन में अलंकृता ने जीता द्वितीय पुरस्कार

सोनीपत। संविधान निर्माता डा. बीआर अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किये गये ऑनलाईन निबंध लेखन प्रतियोगिता में जीवीएम गर्ल्स कालेज की छात्रा अलंकृता ने द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्य डा. मंजुला स्पाह ने अलंकृता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संयोजक प्राध्यापिका रूचिका विरमानी ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान फरीदाबाद के तत्वावधान में डा. बीआर अंबेडकर की जयंती के मौके पर ऑनलाईन निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

फायर ब्रिगेड ने पेड़ों में लगी आग बुझाई

गोहाना। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के गोहाना के एसडीओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेहरा शुक्रवार को अपनी टीम के साथ खेतों में आगजनी की घटनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गोहाना-रोहतक बाइपास के समीप पेड़ों में आग लगी मिली जिसे फायर बिग्रेड की गाड़ी बुलवाकर बुझाया गया। आग बुझाने में पुलिस कर्मियों का भी विशेष सहयोग रहा। गेहूं की फसल की कटाई करने के बाद कुछ किसान अवशेषों में आग लगा देते हैं। कई बार आग खेतों से सडक़ों के किनारे खड़े पेड़ों तक पहुंच जाती है और पेड़ आग की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में हादसा होने का खतरा रहता है।

प्रांतीय सम्मेलन की गतिविधियों का अभ्यास

गोहाना। गीता विद्या मंदिर गोहाना में रोहतक संकुल के विद्यालयों ने आचार्य सम्मेलन की गतिविधियों का सामूहिक अभ्यास किया। विद्या भारती द्वारा यह सम्मेलन 25 से 27 मई तक पट्टी कलियाना (समालखा) में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। समारोह में संकुल विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर सेमिनार का आयोजन

गोहाना। जवाहरलाल नेहरू सीनियर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना में शनिवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमडी सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने की। संयोजन उप प्राचार्य सूरत शर्मा का रहा। मुख्य वक्ता प्राध्यापिका नीतू शर्मा ने कहा की भारत के वैज्ञानिकों और उनकी उपलब्धियों के सम्मान में हर साल देश में 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1998 में इसी दिन पोखरण परमाणु परीक्षण मनाया गया था। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस को पहली बार पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनाया था। प्राचार्य ने कहा कि आज ही के दिन दुनिया ने भारत का लोहा माना था। इस अवसर पर ललित गुप्ता, सुमित चहल, सोमवीर मलिक, सुशील मलिक और शांति उपस्थित रहे।

साउथ पॉइंट स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया मदर्स-डे

मां भगवान का सबसे अनमोल उपहार उसके सामने हर चीज फीकी : खत्री

विद्यार्थियों ने अपनी विभिन्न कलाओं का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। साउथ पॉइंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी

गोहाना। लघु नाटिका प्रस्तुत करते जेकेआर स्कूल के विद्यार्थी।

साउथ पॉइंट स्कूल में मदर्स डे के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मां की महिमा का गुणगान किया। नन्हें बच्चों ने अनेक गीतों और नाटक की प्रस्तुतियां देकर सबको भावुक कर दिया। विद्यार्थियों ने अपनी विभिन्न कलाओं का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। वहीं बच्चों के साथ पहुंची माताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया, जिन्हें मिस गलेमर्स, मिस फेशन दीवा, मिस एलिगेंट, मिस ट्रेंडी, मिस कॉन्फिडेंट, मिस चार्मिंग व मिस क्लासी के खिताबों से नवाजा गया।

इससे पूर्व स्कूल पहुंचने पर विद्यार्थियों ने माताओं का तिलक लगाकर व गुलाब भेंट कर स्वागत किया। साउथ पॉइंट ग्रुप के चैयरमेन दिलबाग सिंह खत्री ने विद्यार्थियों को मां की महत्ता के बारे में बताते कहा कि मां भगवान का दिया सबसे अनमोल उपहार है, जिसके सामने दुनिया की हर चीज फीकी पड़ जाती है। उन्होंने सभी को मां का सम्मान करने की सीख दी। साउथ पॉइंट के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री, साउथ पॉइंट स्कूल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना कालरा व कार्यकारी निदेशक डॉ. ममता सचदेवा ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

इंडियन मॉडर्न स्कूल में मनाया मदर्स-डे

सोनीपत। इंडियन मॉडर्न स्कूल में मातृ-दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में माताओं के सम्मान में विशेष समारोह आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए, साथ ही उनकी माताओं ने भी अनेक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नृत्य, गीत और कविता पाठ शामिल थे। विद्यालय ने विभिन्न मनोरंजक व रचनात्मक गतिविधियों में माताओं ने भाग लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्या राजेंद्र सिंह गहलयाण ने अपने संबोधन में माताओं की भूमिका को जीवन का मूल स्तंभ बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। अंत में विजेता माताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

माता-पिता बच्चे के सच्चे मार्गदर्शक : उत्तम राठी

गोहाना। शहर में गुढ़ा चुंगी के समीप स्थित जेकेआर पब्लिक स्कूल में शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मातृ दिवस मनाया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने माता-पिता को नमन किया। समारोह के लिए मार्गदर्शन स्कूल के एमडी राजबीर सिंह राठी का रहा। मुख्य वक्ता स्कूल के उप प्रबंधक उत्तम राठी ने कहा कि जीवन में माता-पिता बच्चे के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। हमें अपने माता-पिता का हमेशा सम्मान करना चाहिए। माता-पिता का सम्मान एक सामाजिक मूल्य है जो सभी संस्कृतियों में पाया जाता है। उत्तम राठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने माता-पिता के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहना चाहिए। उनका इतना ही उपकार काफी है कि वे हमें इस दुनिया में लेकर आए। उनका साया किसी बच्चे के लिए जन्नत से कम नहीं होता है। समारोह में विद्यार्थियों ने कविताएं, भाषण और लघु नाटिकाओं की मनोहक प्रस्तुति दी।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी अध्यापक एवं विद्यालय का स्टाफ।

सीबीएसई योग्यता आधारित सेमिनार का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत में शिक्षकों हेतु सीबीएसई योग्यता आधारित सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य साइबर सुरक्षा और सेफ्टी विषय में शिक्षकों के कौशल को विकसित करना, आवश्यक ज्ञानवर्धन और उन्हें नवीनतम सुरक्षा विधियों से अवगत कराना है।

सीबीएसई प्रतिनिधि गुंजन जैन और सीमा मलिक ने साइबर सेफ्टी एंड सिक्योरिटी पर आधारित विषयों पर रोचक चर्चा की तथा नवीन सुरक्षा नियमों की जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने सभी अध्यापकों को संबोधित किया तथा बताया कि समय की मांग के अनुसार चलकर ही शिक्षक बेहतर तरीके से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने और उनके भविष्य को संवारने में मदद कर सकते हैं। साइबर सुरक्षा हम सबके सामने बड़ी चुनौती है। विद्यालय के निदेशक धीरज शर्मा ने बताया कि आनलाइन धोखाधड़ी जैसे ओटीपी फ्राड, सोशल मीडिया, हैकिंग वर्तमान समय में प्रथम समस्या है। अतः इस विषय में जानकारी हमें जरूर होनी चाहिए ताकि समय-समय पर विद्यार्थियों को इससे अवगत कराया जा सके। ग्लोबल आउटरीच डायरेक्टर अर्चना शर्मा ने बताया कि आज का प्रशिक्षण शिविर ज्ञानवर्धन में सहायक रहा। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य उमेश शर्मा सभी का धन्यवाद किया।

मा. राजेश का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

गोहाना। गोहाना के गांव चिड़ाना निवासी मास्टर राजेश लठवाल का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। शहीद-ए आजम भगत सिंह के पौत्र और शहीद भगत सिंह ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह संधू ने उनको प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उनको यह सम्मान सोनीपत स्थित ब्राइट स्कॉलर स्कूल में आयोजित शहीद भगत सिंह से दोस्ती कार्यक्रम में दिया गया। मास्टर राजेश लठवाल शहीद भगत सिंह ब्रिगेड के गोहाना अध्यक्ष हैं। वह गांव मंगाना के सरकारी स्कूल में अध्यापक हैं और पिछले छह वर्षों से बस-स्टैंड, गोहाना में दैनिक लंगर रोटी व कपड़ा बैंक का संचालन कर रहे हैं। इस सेवा का उद्घाटन यादवेंद्र सिंह सन्धू ने शहीदी-दिवस 23 मार्च 2019 को किया था।

हमारी सेना पाक को मुंहतोड़ जवाब दे रही: डॉ. शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। जनसमूह को संबोधित करते डा. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सेना पाकिस्तान की नापाक हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दिया है। शनिवार को खरखौदा बस स्टैंड के पास भगवान परशुराम पार्क में भारतीय सेना की सलामती के लिए महायज्ञ एवं रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि देश के वर्तमान हालातों से हम सब वाकिफ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर सुनिश्चित कर रहे हैं कि देश को मजबूत बनाया जाए। उनके विचार और विश्वास पर भारतीय सेना ने दुश्मन पाकिस्तान को हर मोर्चे पर मुंहतोड़ जवाब दिया है। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि परसों पाकिस्तान के 400 ड्रोन के हमले और बीती रात 550 ड्रोन के हमले को नाकाम कर दिया। यही नहीं पाकिस्तान के वायु रक्षा प्रणाली व कई वायु सेना पट्टियों को ध्वस्त करके उन्हें करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देशवासियों में गुस्सा है। स्थानीय विधायक पवन खरखौदा, दिल्ली से विधायक पूनम भारद्वाज, पूर्व विधायक सुखबीर फरमाणा आदि मौजूद रहे।

भाकियू अंबावता ग्रुप की मासिक बैठक

आतंकवादी हमले में जान गवाने वाले पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। जाट धर्मशाला में मासिक बैठक में भाग लेते किसान । फोटो : हरिभूमि

किसान यूनियन अंबावता ग्रुप की मासिक बैठक खेड़ी गुर्जर रोड स्थित जाट धर्मशाला में शनिवार को हुई। बैठक में किसानों ने सर्वसम्मति से किसानों की समस्याओं को लेकर विभिन्न प्रस्ताव पारित करते हुए सरकार से समाधान की मांग की। इससे पूर्व किसानों ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटको को श्रद्धांजलि देते भगवान से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की । बैठक में किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष बलजीत सिंह ने लोगो से आह्वान किया कि जीटी रोड व अन्य स्थानों पर सेना के वाहनों की आते-जाते समय कोई भी वीडियो न बनाएं।

ऐसी मां को प्रणाम जिन्होंने हर हाल में कर्तव्य निभाया

खरखौदा। वैसे तो जीवन में हर मां-बाप अपना फर्ज बखूबी निभाते हैं, तथापि कई बार ऐसे व्यक्ति धरा पर आते हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायक व मिसाल बन जाते हैं। खरखौदा उपमंडल के गांव रोहना की बेटी किताब कौर उर्फ किताबों ने मां के रूप में ऐसी मिसाल प्रस्तुत की है। यह अलग बात है कि पिता मेहर सिंह टीचर होते हुए भी वह खुद पढ़ी-लिखी नहीं थी, लेकिन अपनी बहनों को पढ़ने के लिए उन्होंने गिनती व पहाड़ी सीखे और कायदे से अक्षर ज्ञान सीखा। किताबों अपनी पांच बहनों में सबसे बड़ी थी, उन्होंने सभी बहनों को शिक्षित करने में मदद की। इनका कोई भाई नहीं था, इसलिए बड़ी होने के नाते वे बचपन से ही अपने भाई का फर्ज निभाने लगी थी। अपने पिता के साथ मिलकर खेतों में काम करती थी। ऊंट रेहड़ा चलती थी।

ज्ञान गंगा स्कूल में मनाया मदर्स-डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में मदर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते नौनिहाल।

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में छात्र-छात्राओं ने हर्षोल्लास के साथ मदर्स डे मना कर मां के प्रति प्रेम व सम्मान को प्रकट किया। छात्र-छात्राओं ने नाटक, कविता, गीत, पेंटिग व पोस्टरों के माध्यम से मां के त्याग व उनकी ममता को नमन किया। प्राइमरी कक्षाओं के नौनिहालों ने गीत-संगीत की धुनों पर आकर्षक प्रस्तुति देकर मां के प्रति प्रेम को दर्शाया। स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, सीईओ संजय जैन, डायरेक्टर ध्रुव जैन व प्राचार्या गीता चोपड़ा ने बच्चों व उनकी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी। कोऑर्डिनेटर नीरजा, महक व गीता राणा, श्वेता, नमिता, संगीता आदि मौजूद रहे।

मातृ दिवस पर शाश्वत चेतना स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गढ़ी केसरी स्थित शाश्वत चेतना वमावि में शुक्रवार को मातृ दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थियों की माताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया । बच्चों ने मां पर समर्पित गीत, नृत्य और कविताओं की प्रस्तुती दी। माताओं ने भी पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यालय प्रबंधन ने सभी माताओं को उपहार भेंट किए। विद्यालय की निदेशिका दर्शन शर्मा व उप प्राचार्या डा. प्रीति शर्मा ने मातृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल में पुस्तक मेले में हिस्सा लेते विद्यार्थी।

श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में विज्ञान, पौराणिक कथाएं, नैतिक शिक्षा, देश-विदेश की जानकारी से संबंधित पुस्तकें, प्रसिद्ध लेखकों के उपन्यास तथा प्रख्यात कवियों की रचनाएँ विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रदर्शित की गई। पुस्तक मेले में छात्रों ने न केवल अपनी रुचि की पुस्तकें पढ़ीं व विभिन्न विषयों की जानकारी भी एकत्रित की और साथ ही साथ शिक्षकों व छात्रों ने पुस्तकों की खरीदारी भी की।

पदोन्नति के बाद डॉ. सुमन लता बनीं प्राचार्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। प्राचार्या डॉ. सुमन लता पदभार संभालते साथ में अतुल खट्टर एवं अन्य।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ी ब्राह्मणान में कार्यरत संस्कृत की प्रवक्ता डॉ. सुमन लता ने आज पदोन्नति उपरांत राजकीय विद्यालय बधाना के प्राचार्या का पद ग्रहण किया। गढ़ी ब्राह्मणान के प्राचार्य अतुल खट्टर ने अपने स्टाफ के साथ जाकर उन्हें पद ग्रहण करवाया। इस अवसर पर डॉ. सुमन लता ने बताया कि वे प्राचार्या के पद पर भी बहुत मेहनत और ईमानदारी से कार्य करते हुए अपना दायित्व निभाएंगी। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व प्राचार्य पवन नैन ने अपने समस्त स्टाफ के साथ उनका स्वागत किया और उन्हें पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर देवेन्द्र, सीमा दहिया, रितु सैनी, सीमा, मीनाक्षी, सुमन, रेखा आर्या, मीना, सुदेश, सुशीला आदि मौजूद रहे।

गुरुदक्षता सीबीपी कार्यशाला में शिक्षकों को मिली नई दिशा

नवीनतम शिक्षण तकनीक से करवाया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई। सीबीपी कार्यक्रम में प्रधानाचार्या नीरा मुद्गल, उप प्रधानाचार्य निधि जैन स्कूल के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों के साथ। फोटो :हरिभूमि

खेवड़ा स्थित जी डी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल में गुरुदक्षता पर दो दिवसीय सीबीपी (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभिन्न विद्यालयों से शिक्षकगण और प्रधानाचार्य कार्यशाला में उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या नीरा मुद्गल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों और विद्यालय प्रधानाचार्यों को उनकी क्षमताओं को बढ़ाने और उन्हें नवीनतम शिक्षण तकनीकों से अवगत कराना था। कार्यशाला में शिक्षकों को गुरुदक्षता के विभिन्न पहलुओं, छात्रों को केंद्र में रखकर शिक्षण करने के तरीकों, नवीनतम शिक्षण तकनीकों और उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई। शिक्षकों को छात्रों के मूल्यांकन और अनुवर्ती कार्यवाई के तरीकों, अपनी क्षमताओं को बढ़ाने और नवीनतम शिक्षण तकनीकों से अवगत होने का अवसर मिला। उप प्रधानाचार्य निधि जैन ने कहा कि इससे छात्रों को भी बेहतर शिक्षा मिल सकेगी और उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक योगेश जिंदल भी मौजूद रहे।

सामाजिक न्याय के पुरोधा थे छत्रपति शाहूजी : दांगी

गोहाना। अंबेडकर संघर्ष समिति के तत्वावधान में शनिवार को शहर से सटे गांव गढ़ी सराय नामदार खां में छत्रपति शाहूजी महाराज की 103वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह गांव की अंबेडकर चौपाल में आयोजित हुआ जिसमें नागरिकों ने छत्रपति शाहूजी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा छत्रपति शाहूजी महाराज को भारत में सामाजिक आरक्षण के जनक के रूप में जाना जाता है उन्होंने 1902 में कोल्हापुर रियासत में सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्गों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था जो लोकतंत्र और सामाजिक बराबरी की नींव का एक क्रांतिकारी कदम था।

सामुदायिक केंद्र में सम्मान समारोह

हरियाणा स्कूल एजुकेशन ऑफिसर एसो. ने सेवानिवृत्त प्राचार्यों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान डिप्टी डीईओ को सम्मानित करते हुए।

हरियाणा स्कूल एजुकेशन ऑफिसर एसोसिएशन सोनीपत ने शहर के एक सामुदायिक केंद्र में सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें सेवानिवृत्त स्कूल प्राचार्यों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामन की गई। एसोसिएशन के प्रधान संजीव दहिया और सचिव अनिल गोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि यह एसोसिएशन स्कूल ऑफिसर के कल्याण के लिए बनाई गई है और जो सदस्य पिछले दिनों में अपनी सेवाएं देकर रिटायर हुए हैं, उनके सम्मान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उप जिला शिक्षा अधिकारी सुजाता खत्री, मंजू गर्ग ने की। कार्यक्रम में सूरज भान, बलजीत सिंह, सुनील लाकड़ा, आजाद सिंह, वीरेंद्र दहिया, अतुल खट्टर, पवन नैन, प्रवीन गुलिया, सुनील त्यागी, सत्येंद्र दहिया आदि सहित अनेक ऑफिसर मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सिसानाः रंजिश का मामला पहुंचा अदालत

खरखौदा। गांव सिसाना में आपसी रंजिश के चलते झगड़े का मामला अदालत तक पहुंच गया है। एक पक्ष ने अदालत में इस्तगासा दायर कर सात लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता मोनिका का कहना है कि 26 मार्च की शाम लगभग आठ बजे आरोपित जबरन उनके घर में घुस आए और गाली-गलौच करते हुए, मारपीट की। मोनिका ने आरोपित संदीप, हिमांशु, दीपांशु, तमन्ना, दिव्या, बबीता और सन्नी पर डंडों और लात-घूंसों से हमला करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि जब उन्होंने पानी रोकने का विरोध किया, तो आरोपितों ने उन्हें धमकियां भी दी।

सामान लेने गए युवक पर हमला, केस दर्ज

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव रोहट में दुकान पर सामान लेने गए युवक पर हमला कर घायल करने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। गांव रोहट निवासी विकास ने बताया कि गत आठ मई को करीब नौ बजे देर शाम को दुकान पर सामान लेने के लिए गया था। उसी दौरान जयभगवान व उसके लड़कों ने हमला कर दिया। उसके सिर पर कवाड़ी से वार कर घायल कर दिया। उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी सुभाष चंद ने बताया कि आरोपितों को नामजद कर लिया है। जल्द से जल्द आरोपितों को काबू कर कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

कमरे से हजारों रुपये व मोबाइल फोन चोरी

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र की प्याऊ मनियारी स्थित एक कालोनी में किराए पर रहने वाली युवती के कमरे से चोरी होने के आरोप का मामला सामने आया है। चोरों ने कमरे से नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। दहिया कॉलोनी निवासी संध्या देवी ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात को उनकी मां मीरा और पिता दलीप सिंह ऊपर बने कमरे में सो रहे थे। जबकि वह दूसरे कमरे में थी। सुबह उनके माता-पिता उठे तो कमरे से 30 हजार रुपये और एक मोबाइल फोन गायब मिला। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मंदिर के जीर्णोद्धार के दौरान विवाद, कई घायल

खरखौदा। निजामपुर माजरा गांव में एक चौगान वाली माता के मंदिर का जीर्णोद्धार करने के दौरान हुए विवाद में गांव के कई लोग घायल हो गए। मामले में फरमाणा चौकी पुलिस की तरफ से एक घायल प्रवीन की शिकायत पर 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रवीन का कहना है कि वह उनके गांव में उनके समाज की चौगान वाली माता का मंदिर है। जिसमें बीते दिनों बैठक कर समाज के लोगों ने फैसला लिया था कि इस मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। ऐसे में गांव के ही ओमप्रकाश ने मंदिर पर टाइल्स लगाने की जिम्मेदारी ली थी। जबकि अन्य लोग चंदा एकत्रित कर आवश्यक निर्माण करवा रहे थे। इसी बीच ओमप्रकाश ने अपने पिता के नाम से नेमप्लेट बनवाकर मंदिर पर लगाने का प्रयास किया, तो समाज के लोगों ने इस पर एतराज जता दिया।

काम शीघ्र पूरा कर चालू करने के दिए आदेश

एसडीएम ने सीवर लाइन दबाने और ओवरफ्लो नालों का किया निरीक्षण

एसडीएम ने पांची जाटान रोड पर ओवर फ्लो हो रहे नाले के बारे में जानकारी ली और सख्त आदेश दिए

- नाले की सफाई का ध्यान रखें ताकि नाले ओवरफ्लो न हो
- जब तक काम चले वाहन चालक व आम जनता को परेशानी न हो

गन्नौर। एसडीएम प्रवेश कादियान नगर पालिका के अधिकारियों के साथ सीवर लाइन दबाने कार्य का निरीक्षण करते हुए। फोटोः हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

एसडीएम प्रवेश कादियान ने नगर पालिका व जन स्वास्थ्य विभाग के एक्सियन व अन्य अधिकारियों के साथ सीवर लाइन दबाने कार्य का निरीक्षण कर सीवर लाइन दबाने का काम जल्दी पूरा करने के आदेश दिए। इसके अलावा एसडीएम ने पांची जाटान रोड पर ओवर फ्लो हो रहे नाले के बारे में जानकारी लेते हुए सख्त आदेश दिए की जब तक सीवर लाइन चालू नहीं हो जाती तब तक अधिकारी गंभीरता से नाले की सफाई का ध्यान रखें ताकि नाले ओवरफ्लो न हो और सड़क पर पानी न भरे। इसके साथ ही गढ़ी झझारा रोड पर सीवर लाइन दबाने का कार्य करवा रहे नगर पालिका अधिकारियों को कहा कि जब तक सीवर लाइन दबाने का काम चले तब तक आवागमन करने वाले वाहन चालक व आम जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इस चीज का विशेष ध्यान रखें।

शिकायत पर लिया संज्ञान दौरा करने पहुंचे

पिछले दिनों में शिकायत मिली थी कि सीवर लाइन दबाने का काम धीमी गति से चल रहा है और ठेकेदार की लापरवाही के कारण लोग परेशान हैं। इसी शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम प्रवेश कादियान ने सज्ञान लिया और पांची जाटान रोड पर नाला ओवरफ्लो होने की समस्या को लेकर एसडीएम प्रवेश कादियान ने अगवानपुर रोड के पास आरओबी का निर्माण कर रही निर्माण एजेंसी के अधिकारियों के साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात की और शीघ्र कार्य पूरा करने के आदेश दिए।

दिक्कत नहीं आनी चाहिए

उन्होंने कहा कि अगवानपुर गांव की तरफ आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी के कारण कोई दिक्कत नहीं आनी चाहिए। संबंधित अधिकारी इस मामले में पूरी तरह से संजीदा रहें। इसके बाद अगवानपुर रोड पर नाला रुकने के कारण का जायजा लिया। इस मौके पर नगरपालिका के इंजीनियर, जेई, व जन स्वास्थ्य विभाग के एक्सईन, जेई मौजूद थे।

आश्रम में 15 औषधीय पौधे लगाए

- ढीकन वाला आश्रम में पौधारोपण, स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

ढीकन वाला आश्रम सिसाना में परंपरा के अनुसार माह के दूसरे शनिवार को समाजसेवी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गजेंद्र फोगाट ओएसडी, राजबीर झरोठ ब्लॉक के पूर्व चेयरमैन, विधायक पवन खरखौदा और ब्लॉक समिति के चेयरमैन सतेन्द्र रहे। इन अतिथियों ने आश्रम परिसर में 15 औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे जिनमें जगबीर (सरपंच), रणदीप (गौशाला प्रधान), 1971 बांग्लादेश मुक्ति योद्धा नारायण सिंह,

खरखौदा। आश्रम प्रांगण में पौधरोपण करते अतिथिगण।

सामाजिक कार्यकर्ता धम्मल फौजी पिपली, विपिन गर्ग (लक्ष्मी तरु फाउंडेशन), मोहन ठेकेदार, नवीन खांडा (तिरंगा युवा समिति व आर्यव्रत ट्रस्ट), नीरज गुप्ता (ठाकुर जी रसोई), सुधीर दहिया (साईं इंस्टीट्यूट), देवेंद्र सिंह (गरीब कल्याण संस्था पिपली) व रोहित राठौर (थाना कलां) के नाम शामिल हैं।

इस दौरान 26 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। राजू कोच, कॉस्मो डेंट्ज अस्पताल व केशव अस्पताल की टीमों ने मिलकर 350 से अधिक रोगियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार किया।

कार ने बाइक सवार को चपेट में लिया, इलाज के दौरान मौत

- रोहतक पीजीआई में घायल ने तोड़ा दम, कार चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के सोनीपत-चिटाना सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार कार चालक ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। उपचार के लिए उसे नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर होने के चलते रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस कार चालक की तलाश कर रही है। गांव चिटाना निवासी शुभम ने बताया कि वह कंप्यूटर की पढ़ाई करता है। उसका पिता जगबीर सिंह पोस्ट ऑफिस सोनीपत में नौकरी करता है। उसका पिता जगबीर अपनी ड्यूटी खत्म करके अपनी बाइक पर सवार होकर घर वापस आ रहा था।

वह सूरज पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा। उसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें चपेट में ले लिया। हादसे में उसका पिता घायल हो गया। उपचार के लिए उसे नागरिक अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जांच अधिकारी सुभाष चंद ने बताया कि मामले की मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द कार चालक का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मिशन बुनियाद : पांच ने तीसरे चरण की परीक्षा पास की

गोहाना। शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित मिशन बुनियाद के तीसरे चरण की परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। गढ़ी सराय नामदार खां गांव स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय के पांच मेधावी लक्ष्मी, मीनाक्षी, प्रवेश, नैतिक और ऑरव ने यह परीक्षा उत्तीर्ण की। पांचों विद्यार्थियों को विद्यालय के शिक्षकों ने सम्मानित करके उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के मुख्याध्यापक रविंद्र मलिक ने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत व लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य बड़ा रखें और उसे प्राप्त करने के लिए मेहनत करें। कार्यक्रम में डीपीई लक्ष्मण, सतीश, कपिल शर्मा, अनिल, मनीषा और सुनील लाठर ने पांचों विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद दिया।

खेल से स्वस्थ रहता शरीर : डॉ. प्रवीन

- रुकमणि देवी पब्लिक स्कूल में बड़े उत्साह और जोश के साथ विश्व खेल दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

रुकमणि देवी पब्लिक स्कूल में बड़े उत्साह और जोश के साथ विश्व खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खेल प्रतियोगिताओं विद्यालय परिसर में विभिन्न का छात्रों ने दौड़, लंबी आयोजन किया गया, जिसमें कूद, रिले रेस, बास्केट बॉल, क्रिकेट आदि खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम शुभारम्भ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ प्रवीन गुप्ता ने किया। प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन गुप्ता ने कहा खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल भी विकसित करते हैं, उन्होंने सभी विद्यार्थियों को खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्रों के अभिभावक भी पहुंचे।

राई। खेल प्रतियोगिताओं में रुकमणि देवी पब्लिक स्कूल का छात्र अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए। फोटोः हरिभूमि

साक्षात भगवान का रूप हैं माता-पिताः अंजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना-जींद मार्ग स्थित ओम पब्लिक स्कूल में शनिवार को मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया। मां तुझे सलाम थीम पर आधारित इस समारोह में विद्यार्थियों ने जन्म देने वाली माता और भारत माता को समर्पित सांस्कृतिक और देशभक्ति कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी। मार्गदर्शन स्कूल की एमडी निर्मल लाठर का रहा। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. मनजीत खासा ने की। संयोजन उप प्राचार्या रेखा बजाज का रहा।

समारोह की मुख्य अतिथि एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय थीं। श्रोत्रिय ने कहा कि हमारे जीवन में हमारे माता-पिता साक्षात भगवान का रूप हैं। इनके आशीर्वाद से असंभव कार्य भी संभव हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे जीवन में कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे आपके माता-पिता की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचे। आप हमेशा उनके सम्मान का प्रतीक बनकर रहें। हमेशा अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करें और घर से बाहर जाते समय उनके चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेकर जाएं। विशिष्ट अतिथि डॉ. दीप्ति विरमानी रहीं।

गोहाना। देशभक्ति कार्यक्रम से शनिवार को सेना के जवानों को हौसला बढ़ाते हुए ओपीएस के विद्यार्थी। फोटोः हरिभूमि

सोनीपत। महिला खो-खो टीम की खिलाड़ियों के साथ डॉ. संदीप डांगी।

भारतीय महिला खो-खो टीम पदयात्रा के साथ जुड़ी

सोनीपत। सोनीपत से नशा मुक्त युवा खेलोगे तो खिलोगे ट्रस्ट के बैनर तले 18 मई को भारत पदयात्रा शुरू होगी। इस पदयात्रा में अब वर्ल्ड कप विजेता भारतीय महिला खो-खो टीम भी जुड़ गई हैं। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संदीप दांगी ने बताया कि देश, समाज और युवाओं को नशे से बचाने के लिए पूरे देश, समाज, खिलाड़ी, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी और जितने भी सामाजिक व धार्मिक संगठन हैं सबको एक साथ आकर नशे के खिलाफ आवाज उठानी पड़ेगी तभी देश को बचाया व मजबूत बनाया जा सकता है। वहां पर मौजूद भारतीय महिला खो-खो टीम की हेड कोच मुन्नी जून व हेड ऑफ डिपार्टमेंट ने ट्रस्ट के इस कदम को सराहा और डॉ. संदीप दांगी की तारीफ करते हुए सभी महिला खिलाड़ियों ने नशा ना करने का संकल्प दिलवाया और युवाओं व बच्चों से नशा ना करने की अपील की।

मुख्यमंत्री से मिले निर्देश, फायर सेफ्टी जांचने पहुंचे मेयर

सोनीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित सभी मेयरों की बैठक में दी गई हिदायतों अनुसार नगर निगम मेयर राजीव जैन ने सिविल डिफेन्स के अधिकारियों संग बैठक कर युद्ध की स्थिति में नागरिकों द्वारा उठाये जाने वाले क़दमों पर चर्चा की तथा फायर ब्रिगेड स्टेशनों का दौरा किया। सिविल सचिवालय में होमगार्ड के स्टेट कमांडेंट जसविंद्र सिंह तथा नगर निगम पार्षदों की बैठक में सायरन बजने, ब्लैक आउट की स्थिति में क्या करना है, युद्ध घोषित होने की स्थिति में आवश्यक वस्तुओं के स्टॉक तथा समय समय पर सरकार से आने वाली हिदायतों को आम जनता तक पहुंचाने बारे विस्तार से चर्चा की गई। सिविल डिफेन्स विभाग द्वारा पार्षदों के साथ व्हाट्सअप ग्रुप बनाने पर सहमति बनी ताकि प्रत्येक सूचना जन जन तक पहुंच सके। राजीव जैन ने सेक्टर तीन सिथत फायर स्टेशन पहुंच कर जिला अग्निशमन अधिकारी रामेश्वर सिंह से अपात स्थिति में फायर सेवाओं बारे चर्चा की। फायर अफसर ने बताया कि फायर कर्मचारियों की छुट्टी रद करके 12 - 12 घंटे की ड्यूटी कर दी गई है।

मां के बिना संस्कार अधूरेः नानक

- रेणु विद्या मंदिर में मातृ दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

रेणु विद्या मंदिर बहालगढ़ में मातृ दिवस का कार्यक्रम उत्साह और भावनाओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं की माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों व रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में नृत्य, संगीत, और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

छात्रों का आभार जताया

विद्यालय के संस्थापक एवं चेयरमैन नानक चंद गुप्ता ने सभी अतिथियों, माताओं और छात्रों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माताएं हमारे जीवन की नींव होती हैं और उनके बिना शिक्षा व संस्कार अधूरे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय का संपूर्ण स्टाफ भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहा और सभी ने मिलकर इस उत्सव को सफल बनाया। कार्यक्रम का समापन मातृत्व के प्रति कृतज्ञता और आपसी सद्भाव के साथ हुआ।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

राई। शनिवार को विद्यालय के संस्थापक एवं चेयरमैन नानक चंद गुप्ता अतिथियों का सम्मान करते हुए। फोटोः हरिभूमि

पांच हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

सोनीपत। एसएजी यूनिट सेक्टर-7 सोनीपत पुलिस टीम ने दुष्कर्म करने की वारदात में शामिल व हरियाणा पुलिस का पांच हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित जोगिंद्र उर्फ जॉनी निवासी मटगांव का है। पुलिस आरोपित को अदालत में पेश करेगी। आरोपित चार माह से फरार चल रहा था। मिली जानकारी के अनुसार तीन नवंबर 2024 को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि उसकी पहचान जोगिंद्र से हुई। जोगिंद्र ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ गलत काम किया। महिला ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले की जांच एसपीयू जीत सिंह को सौंपी गई। शिकायत की सूचना मिलते ही आरोपित फरार हो गया। हरियाणा पुलिस की तरफ से आरोपित पर पांच हजार रुपये का ईनाम रखा गया। मामला को एसएजी यूनिट को सौंपा गया। सहायक उप निरीक्षक विक्रांत की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित को काबू कर लिया। आरोपित को पुलिस अदालत में पेश करेगी।

द्विवर्षीय कार्यकाल के लिए गठित की गई कार्यकारिणी

आचार्या दीक्षा को बनाया आर्य केंद्रीय सभा का प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

आर्य केन्द्रीय सभा, सोनीपत के साधारण अधिवेशन में द्विवर्षीय कार्यकाल अवधि 2025 से 2027 वर्ष की कार्यकारिणी गठित करने के लिए निर्वाचन अधिकारी रणधीर सिंह ढुल की देखरेख में निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न की गई। साधारण सभा में उपस्थित 48 नामांकित प्रतिनिधियों और सदस्यगणों द्वारा सर्वसम्मति से निर्विरोध प्रधान चुना गया। नव निर्वाचित प्रधान आचार्या दीक्षा को ही कार्यकारिणी गठित करने का सर्वसम्मति से अधिकार भी दिया। इस दौरान संरक्षकगण डा. नारायण सिंह दहिया, वेद प्रकाश आर्य, भगत सिंह, संरक्षिका द्रौपदी आर्या, परामर्शदाता मार्गदर्शकगण महात्मा वेद मुनि, रणधीर सिंह ढुल, नित्य प्रिय आर्य, मुकेश रावत को बनाया गया।

वैदिक विदुषी आचार्या दीक्षा को

वरिष्ठ उपप्रधान अशोक गोयल को बनाया गया

वहीं वरिष्ठ उपप्रधान अशोक गोयल, उपप्रधान रवीन्द्र आर्य, महामंत्री सुधांशु मित्र शास्त्री, उप महामन्त्री प्रवीण आर्य, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार छाबड़ा, सह कोषाध्यक्ष राम गोपाल भुटानी, प्रचार मंत्री सुनीता अरोड़ा, दीपक तलवाड़, संगठन मंत्री सुदर्शन आर्य, वेद प्रचार अधिष्ठाता रमेश शास्त्री आर्य को नियुक्त किया गया। आर्य वीर दल अधिष्ठाता दिनेश आर्य, उदय कुमार शास्त्री, मीडिया प्रभारी कपिल दहिया, लेखा परीक्षक अशोक आर्य को नियुक्त किया गया। वहीं अंतरंग सदस्यगण शांति देवी, इन्दु भारती, स्नेह आर्या, जितेन्द्र मलिक, ईश्वर सिंह दहिया, जितेन्द्र चावला, संदीप ग्रोवर, दीन दयाल मदान, अरुण दहिया को बनाया गया।

भाषण में मेधावियों ने दिखाई प्रतिभा

गोहाना। गोहाना-जींद मार्ग स्थित नालंदा इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता की अध्यक्षता प्राचार्य सुभाष चन्द्र ने की। विजेताओं को स्कूल की एमडी रीना मलिक ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मेरा प्रिय खेल, मेरी पुस्तक, ईमानदारी ही सच्ची मित्र, खेलों का महत्व और परिश्रम विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कक्षा छठी से जयेश, कक्षा 7वीं से आरव जैन और कक्षा 8वीं से आनंदी रहे। दूसरे स्थान पर कक्षा छठी से दीया और संगम, कक्षा 7वीं से दृष्टि और कक्षा 8वीं से अनुभवी रहे। तीसरा स्थान कक्षा छठी से लक्षिता, कक्षा 7वीं से वंशिका और कक्षा 8वीं से आरना ने प्राप्त किया। सर्वोत्तम वक्ता का पुरस्कार कक्षा 8वीं की छात्रा एंजल और प्रिया ने प्राप्त किया।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा

डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

जुड़ाव

डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

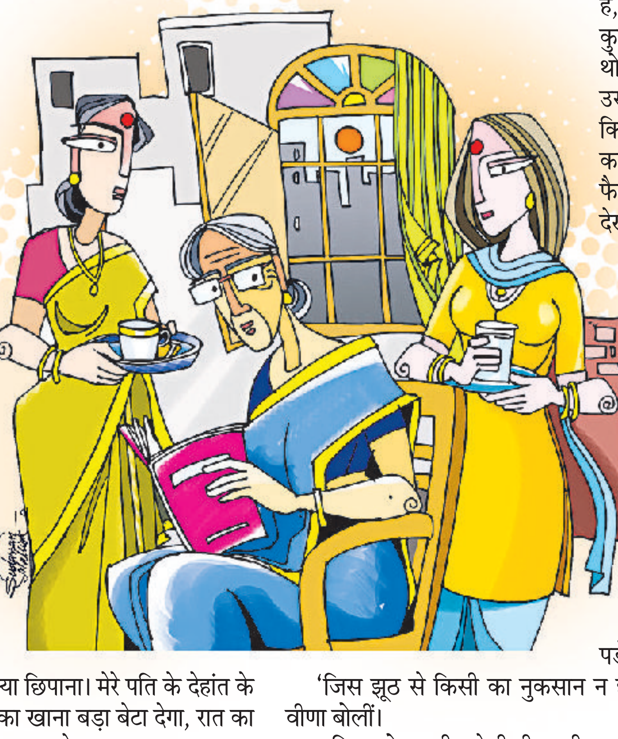

'मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर में उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्प्लिकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें

सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल
नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजन: माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभव: माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसास: यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलक: राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपरओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षण: माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजा: राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानी: माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है
वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

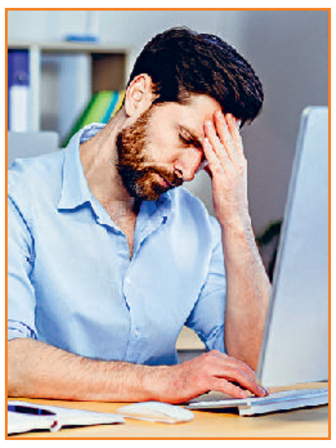

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैं: ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैं: वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैं: कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्त: लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसले: लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाज: किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैं: जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया
फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

अचला सचदेव

दीना पाठक

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडिया: जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा राय: निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतन: अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएं: यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

रीमा लागू

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागू: नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया।

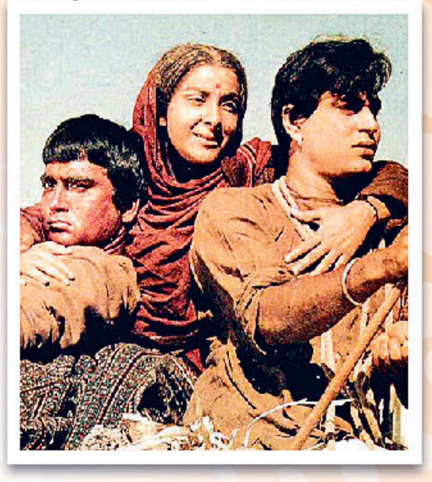

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

हजार चौरासी की मां जया बच्चन: जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

जया बच्चन

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएं: इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वारा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख: ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसित: हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गम: सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रम: भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारी: डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *